ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके रांची, झारखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 16-01-2026

बोकारो(झारखण्ड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-01-16 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-01-17	2026-01-18	2026-01-19	2026-01-20	2026-01-21
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	24.2	25.2	26.9	28.9	29.9
न्यूनतम तापमान(से.)	8.7	9.5	10.6	11.9	13.6
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	59	63	64	58	59
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	18	21	22	20	20
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	11.0	8.0	5.8	5.9	5.1
पवन दिशा (डिग्री)	302	297	300	313	278
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	1	0	0
चेतावनी	शीत लहर	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में आसमान साफ रहेगा और बारिश की कोई संभावना नहीं है। तापमान बढ़ने की संभावना है और हवा की गति सामान्य रहने का अनुमान है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

ठंडा दिन

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

खड़ी फसलों में पत्तों का पीला पड़ना और मुरझाना

सामान्य सलाहकार:

कम तापमान और नमी के तनाव से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए सुबह के समय खड़ी सब्जियों और फसलों में हल्की सिंचाई करें। कम तापमान के कारण खराब अंकुरण से बचने के लिए सब्जियों की नर्सरी के ऊपर कम लागत वाले पॉलिथीन कवर का उपयोग करें। चूंकि शुष्क मौसम का पूर्वानुमान है, इसलिए किसानों को हाल ही में बोई गई रबी फसलों और नई पौध को नमी के तनाव से बचाने के लिए पर्याप्त पानी से सिंचाई करनी चाहिए। नमी की कमी वाले क्षेत्र में किसानों को सब्जियों में फूल आने के दौरान 2% डीएपी+1% एमओपी का पत्तियों पर छिड़काव करना चाहिए। रात के समय पशुशाला को बंद रखें तथा खिड़कियों को बोरो से ढक दें।

लघु संदेश सलाहकार:

मटर की फसलों मे 2% यूरिया के घोल का छिड़काव करें जिससे मटर की फलियों की संख्या मे बढ़ोतरी हो सके।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	समय से बोये गए गेहूं की फसल में यूरिया का दूसरा भुरकाव तथा देर से बोए गए फसल अगर भुरकाव नहीं कर पाए है तो खरपतवार नियंत्रण के पश्चात यूरिया का पहला भुरकाव करें। भुरकाव से पहले खेतों में उपयक्त नमी सुनिश्चित करें। गेहूं की फसल में यदि दीमक के प्रकोप दिखाई दे रहे हों तो क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी @ 2.0 लीटर के साथ 20 किलोग्राम रेत का मिश्रण शाम के समय उपयोग मे लाएँ तथा इसके पश्चात सिंचाई करें।
चना	चने की फसल में फली छेदक कीट की निगरानी के लिए यदि फूल 10-15% तक पहुंच गया हो तो प्रति एकड़ 3-4 ट्रैप की दर से फेरोमोन ट्रैप लगाने की सलाह दी जाती है। कीटों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए फसल के खेत और उसके आसपास "टी" आकार के पक्षियों के बैठने की व्यवस्था करें।
सरसों	देर से बोई गई सरसों की फसल में विरलीकरण तथा खरपतवार नियंत्रण का कार्य करें। मौसम को मध्यनजर रखते हुए सरसों की फसल में सफ़ेद रतुआ रोग एवं चेपा कीट की नियमित रूप से निगरानी करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	25 से 30 दिन पुरानी आलू की फसल में मिटटी चढ़ाने के कार्य को पूरा करें तथा मिटटी को भुरभुरा कर नत्रजन की शेष बची मात्रा मिलाएं (65 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़)। कोहरे और ठंडे मौसम के कारण आलू की फसल में पत्ती झुलसा रोग लगने की संभावना रहती है। आलू में पत्ती झुलसा रोग के प्रबंधन के लिए मैनकोजेब 75% WP @600 ग्राम/एकड़ या कार्बेन्डाजिम 12% + मैनकोजेब 63% W.P @ 400-ग्राम/एकड़ का छिड़काव करें।
प्याज	इस मौसम में प्याज की समय से बोयी गई फसल में थ्रिप्स के आक्रमण की निरंतर निगरानी करते रहें। प्याज में परपल ब्लोस रोग की निगरानी करते रहें। रोग के लक्षण पाये जाने पर डाएथेन- एम-45 @ 3 ग्रा. /ली. पानी किसी चिपकने वाले पदार्थ जैसे टीपोल आदि(1 ग्रा. प्रति एक लीटर घोल) में मिलाकर छिड़काव करें।
टमाटर	जिन किसान भाइयों के टमाटर के पौधे मुरझाकर सूख रहें हैं तो वे तांबे आधारित फफूंदनाशी एवं स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 0.3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अन्तराल पर 2-3 छिड़काव करें। साथ ही रोग ग्रसित पौधों को खेत से निकल दें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	मुर्गियों में रानीखेत बीमारी के प्रकोप देखे जा रहे है। इसके लिए मुर्गियों तथा चूजों में पशुचिकित्सक से सलाह लेकर टीकाकरण करवाएं।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	सरसों, चना जैसे संवेदनशील फसलों को ठंड से बचाने हेतु थायो यूरिया 500 पी.पी.एम. @ 1000 लिटर पानी तथा तथा घुलनशील गंधक 0.2 % @ 2 ग्राम प्रति लिटर पानी के साथ मिलाकर छिड़काव करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

खड़ी फसलों में पत्तों का पीला पड़ना और मुरझाना

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

सुबह और शाम के समय सिंचाई करें।

Farmers are advised to download Unified ﷿Mausam﷿ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details